

उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार

(एक वर्षीय नाट्यशास्त्र डिप्लोमा पाठ्यक्रम-क्रेडिट-20)

(Subject of study) Paper Code -USVV001

विषय - भारतीय शास्त्रीय रङ्गमंच

प्रथम प्रश्नपत्र- नाट्यशास्त्र और रंगमंच-

लिखित परीक्षा - 60

प्रायोगिक - 40

क्रेडिट-04

इकाई - 1 भारतीय एवं पाश्चत्य रंगमंच

क्रेडिट-01

(भरत का रंगमंच, पारसी, ग्रीक, रोम, एब्सर्ड थियेटर, का सामान्य परिचय।)

इकाई - 2 प्रमुख नाटककार, रंगनिर्देशक एवं प्रयोग

क्रेडिट-01

(भास, कालिदास, भवभूति एवं आधुनिक नाट्यनिर्देशन जैसे-प्रो. कमलेश दत्त त्रिपाठी, रंगनिर्देशक हबीब तनवीर, कावालम नारायण पणिकर, व.व. कारंथ, रतन थियाय, के.एस. राजेन्द्रन्, स्व. डॉ. कमल वशिष्ठ आदि)

इकाई - 3 पूर्वरङ्ग एवं दशरूपक

क्रेडिट-01

(पूर्वरंग एवं दशरूपकों का सामान्य परिचय)

इकाई - 4 नाट्यसंग्रह का परिचय

क्रेडिट-01

(रस, भाव, अभिनय, धर्मी, वृत्ति, प्रवृत्ति, सिद्धि, स्वर, आतोय, गान, रंग)

प्रायोगिक -

- सीन वर्क (दृश्यबन्ध)
- आशु अभिनय
- रंगमंच मॉडल तैयार करना


विभागाध्यक्ष
संस्कृत-साहित्य विभाग
उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय
हरिद्वार (उत्तराखण्ड)

उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार

एक वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम

(Subject of study) Paper Code -USVV002

विषय – भारतीय शास्त्रीय रङ्गमंच

द्वितीय प्रश्नपत्र– नाट्याभिनय एवं प्रयोग

लिखित परीक्षा – 60

प्रायोगि – 40

क्रेडिट-04

इकाई – 1 आङ्गिक अभिनय

क्रेडिट-01

(संयुत, असंयुत, एवं नृत्तहस्त, शिरोभेद, मुखजाभिनाय)

ताराकर्म, पुटकर्म, भृकुटि कर्म, अधोरोष्ठ कर्म, स्थानक भेद, चारिविधान)

इकाई – 2 आहार्य अभिनय एवं वाचिक अभिनय

क्रेडिट-01

(नेपथ्य के चार प्रकार-पुरत, अलंकार, अंगरचना तथा संजीव)

(सात स्वर, तीन स्थान, सप्तक, चार वर्ण, दो प्रकार की काकु, छः अलङ्कार तथा छः अंग)

इकाई – सात्त्विक अभिनय

क्रेडिट-01

(परिभाषा, हेला, हाव, भाव, खियों के दस स्वाभाविक अलंकार, आठ सात्त्विक भाव)

इकाई – 4 करण एवं अङ्गहारों की उत्पत्ति एवं उनका सामान्य परिचय

क्रेडिट-01

(108 कारणों का सामान्य परिचय)

प्रायोगिक –

- सीन वर्क (दृश्यबन्ध)
- आंगिक अभिनय का प्रस्तुतिकरण।
- संगीत स्वाराभ्यास।
- आरंभिक अलंकाराभ्यास।
- मुखौटा निर्माण करना


विभागाध्यक्ष
संस्कृत साहित्य विभाग
उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय
(हरिद्वार)

उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार

एक वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम

(Subject of study) Paper Code -USVV003

विषय – भारतीय शास्त्रीय रङ्गमंच

तृतीय प्रश्नपत्र– मंच सज्जा एवं नाट्य तकनीक –

लिखित परीक्षा – 60

प्रायोगिक – 40

क्रेडिट-04

इकाई – 1 मंच के प्रकार एवं परिकल्पना (सेट डिजाइन)

क्रेडिट-01

(त्र्यस्र, चतुरस्र, विकृष्ट नाट्य मण्डप तथा ग्रीक, रोम रंगमंच, मंच, बनाने का ज्ञान, ड्राइंग और स्केच, सेट के प्रकार)

इकाई – 2 प्रकाश परिकल्पना

क्रेडिट-01

(मंचीय प्रकाश व्यवस्था का ज्ञान, प्रकाश का माध्यम, प्रकाश के सिद्धान्त एवं प्रयोग)

इकाई – 3 रूप सज्जा (मेकअप)

क्रेडिट-01

(रूपसज्जा का इतिहास, रूपसज्जा का आधारभूत ज्ञान, रूपसज्जा सामग्री का ज्ञान, फ्रेप हेअर चर्क, शेड, ट्रेडिशनल, रियलिस्टिक, मास्क मेकअप आदि)

इकाई – 4 नाट्यलेखन के मूल तत्व

क्रेडिट-01

(पाँच अवस्था, पाँच संधि एवं पांच अर्थप्रकृति)

प्रायोगिक –

- प्रकाश व्यवस्था
- मेकअप करना
- मंच का मॉडल तैयार करना
- नाट्य निर्देशन

विभागाध्यक्ष
संस्कृत-साहित्य विभाग
उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय
हरिद्वार (उत्तराखण्ड)

उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार

एक वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम

(Subject of study) Paper Code -USVV004

विषय – भारतीय शास्त्रीय रङ्गमंच

चतुर्थ प्रश्नपत्र– पारम्परिक नाटयशैली, लोकनाटय शैलियों एवं रंग-संगीत

लिखित परीक्षा – 60

प्रायोगिक – 40

क्रेडिट-04

इकाई – 1 भारतीय नाटय शैलियों – पारंपरिक एवं लोक

क्रेडिट-01

(कुडियाट्टम, तिरुकुट्टु, यक्षगान, माच, बुंदेली स्वांग, छाऊ, भवाई, रामलीला, नाचा, खयाल आदि)

इकाई – 2 भारतीय शास्त्रीय नृत्यों का सामान्य परिचय

क्रेडिट-01

(सामान्य परिचय)

इकाई – 3 भारतीय पारम्परिक नाटयशैलियों

क्रेडिट-01

कुडियाट्टम, येरुकुत्तु, यक्षगान, परिचयात्मक अध्ययन।

इकाई – 4 रंग-संगीत

क्रेडिट-01

ध्रुवाध्याय के अनुसार ध्रुवागान का प्रायोगिक और सैद्धांतिक पक्ष

शुद्ध विकृत स्वर, श्रुति, नाद, थाट, आरोह अवरोह, राग आदि का परिचय, वीणा आदि वाद्यों की वादन

विधि के साथ प्रचलित ताल (तीनताल, रूपक, एकताल, झपताल एवं दीपचन्दी) का सामान्य परिचय

प्रायोगिक –

- सीन वर्क (दृश्यबन्ध)
- रागाभ्यास
- तालाभ्यास
- वीणा आदि बाद्यों की वादन विधि
- रंग – संगीत का अभ्यास एवं प्रस्तुति।

ग्रन्थ :-

- संगीत रत्नवकर
- सार्डरव पद्धति
- संगीत दर्पण
- राग कल्पश्रुम


विभागाध्यक्ष
संस्कृत-साहित्य विभाग
उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय
हरिद्वार (उत्तराखण्ड)

उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार

एक वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम

(Subject of study) Paper Code -USVV005

विषय – भारतीय शास्त्रीय रङ्गमंच

पंचम प्रश्नपत्र– भारतीय पारंपरिक नाट्यरूपों में आंगिक वाचिक, आहार्य, संगीत, एवं लोकश्रमी का प्रात्यक्षिक
लिखित परीक्षा – 60
प्रायोगिक – 40
क्रेडिट-04

इकाई – 1 आंगिक अभिनय करण अंगहार इत्यादि का प्रात्यक्षिक
क्रेडिट-01

इकाई – 2 वाचिक अभिनय
क्रेडिट-01

(स्वर, व्यजन आदिका उच्चारण, वृत्तबद्धलोक गायन, शास्त्रीय संगीत के श्रुति, स्वर, नाद अलंकार राग, ताल आदि का सामान्य परिचय एवं अभ्यास)

इकाई – 3 आहार्य अभिनय ऽरंगभूषा, मुखौटे बनाना, वेशभूषा इत्यादि का प्रात्यक्षिक
क्रेडिट-01

इकाई – लोकधर्मी पद्धति से संस्कृत नाटक का मंचन
क्रेडिट-01

मौखिक


विभागाध्यक्ष
संस्कृत-साहित्य विभाग
उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय
हरिद्वार (उत्तराखण्ड)